तेरी हर घर ज्योत जले । By Y.K. Vij ।

तेरी हर घर ज्योत जले
तेरा युग-युग राज रहे
ओ मेरी माँ अंबे माँ
ओ अंबे माँ जगदंबे माँ

तुम आके दरश दिखा दो माँ
मेरे मन की प्यास बुझा दो माँ
तेरी हर घर ज्योत जले
तेरा युग-युग राज रहे
ओ मेरी माँ अंबे माँ
ओ अंबे माँ जगदंबे माँ

चिंतपूर्णी ज्वाला माई
चामुंडा महामाई
छिन्नमस्तिका काली माई
तुझसे ध्यान लगाया
ऊँचे पर्वत काँगड़ा माई
प्यारा भवन तुम्हारा
तुम आके दरश दिखा दो माँ
मेरे मन की प्यास बुझा दो माँ
तेरी हर घर ज्योत जले
तेरा युग-युग राज रहे
ओ मेरी माँ अंबे माँ
ओ अंबे माँ जगदंबे माँ

झंडे लाल भवन पर झूले
बागों में कोयल बोले
पवन सुहानी चले वेग से
माँ के जयकारे बोले
मनभावन माँ के चरणों में
बहती गंगा धारा
तुम आके दरश दिखा दो माँ
मेरे मन की प्यास बुझा दो माँ
तेरी हर घर ज्योत जले
तेरा युग-युग राज रहे
ओ मेरी माँ अंबे माँ
ओ अंबे माँ जगदंबे माँ

तेरा सुमिरन करे भवानी
दर्शन दे दो महारानी
मेरे सारे कष्ट हर लो माँ
मेरे अवगुण माफ करो माँ
सारी दुनिया छोड़ के मैंने
लिया है तेरा सहारा
तुम आके दरश दिखा दो माँ
मेरे मन की प्यास बुझा दो माँ
तेरी हर घर ज्योत जले

तेरा युग-युग राज रहे
ओ मेरी माँ अंबे माँ
ओ अंबे माँ जगदंबे माँ

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a4%b0-%e0%a4%98%e0%a4%b0-%e0%a4%9c%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a5%8b%e0%a4%a4-%e0%a4%9c%e0%a4%b2%e0%a5%87-by-y-k-vij/